

शतखंड वि. (तत्.) सौ या अनेक खंडों में विभाजित उदा. पतन होकर पादप-पुंज को, क्षण-प्रभा करती शतखंड थी।

शतगु वि. (तत्.) सौ गायों का मालिक।

शतगुण वि. (तत्.) सौ गुना।

शतगुणित वि. (तत्.) सौ गुना किया हुआ।

शतग्रंथि स्त्री. (तत्.) दूर्वा घास।

शतघ्नी स्त्री. (तत्.) 1. एक बार में सौ आदमियों को मारने वाला शस्त्र 2. पत्थर में लोहे की कीलों को गाड़कर बनाया गया चार ताल लंबा एक प्राचीन शस्त्र 3. तोप की तरह का एक शस्त्र जो अस्त्र की तरह प्रयुक्त होता है 4. गले का एक प्राणघातक रोग 5. मादा बिच्छू 6. करंज का पेड़।

शतचंद्र पुं. (तत्.) मध्यकाल में प्रयुक्त होने वाला एक आभूषण जिसमें चंद्रमा की अनेक आकृतियाँ बनी होती थी।

शतच्छद पुं. (तत्.) 1. सौ पंखुडियों वाला कमल 2. कठफोड़वा पक्षी।

शतजटा स्त्री. (तत्.) सतावर, एक आयुर्वेदिक बलकारक औषधि।

शतजिह्व पुं. (तत्.) शिव, शिव का विशेषण।

शततंत्री स्त्री. (तत्.) सौ तारों वाली वीणा।

शततमक पुं. (तत्.) बंटन इकाई को सौ बराबर-बराबर भागों में विभक्त करने वाला विभाजन मान।

शततारा पुं. (तत्.) शतभिषा नामक चौबीसवाँ नक्षत्र, जिसमें सौ तारे हैं।

शतदंतिका स्त्री. (तत्.) नागदंती, कुंभा नामक एक विशिष्ट औषधि।

शतदल पुं. (तत्.) पद्म, कमल।

शतदला स्त्री. (तत्.) सेवती फूल, श्वेत गुलाब।

शतद्रु स्त्री. (तत्.) पंजाब की पाँच नदियों में से एक नदी सतलुज (सतलज)।

शतधा क्रि.वि. (तत्.) 1. सौ प्रकार से, अनेक प्रकार से 2. सौ भागों में, अनेक भागों में वि. सौ प्रकार का पुं. सौ या अनेक टुकड़े।

शतधार वि. (तत्.) 1. सौ धाराओं वाला 2. वह अस्त्र जिसकी सौ धार हों पुं. इंद्र का वज्र।

शतपत्र वि. (तत्.) 1. सौ पत्तों वाला 2. सौ परों/पंखों वाला पुं. 1. कमल 2. मोर 3. तोता 4. सारस 5. मैना 6. कठफोड़वा पक्षी।

शतपत्रक पुं. (तत्.) एक पक्षी (खुटबूड़)।

शतपथ वि. (तत्.) सौ अथवा अनेक मार्गों वाला।

शतपथिक वि. (तत्.) बहुत से मतों को मानने वाला।

शतपदचक्र पुं. (तत्.) ज्योतिष का सौ कोष्ठों वाला एक चक्र जिससे नक्षत्रों का ज्ञान प्राप्त किया जाता है।

शतपदीस्त्री. (तत्.) एक कीट का नाम, कनखजूरा।

शतपर्णी स्त्री. (तत्.) सैकड़ों पंखुडियों, पत्तियों वाला गुलाब।

शतपर्वा पुं. (तत्.) बाँस स्त्री. 1. दूर्वा 2. दूब 3. गन्ना।

शतपादिका शतपद्म पुं. (तत्.) वह कमल जिसमें सौ पंखुडियाँ हो, श्वेत कमल।

शतपुत्री स्त्री. (तत्.) 1. सतपुतिया, तरौई 2. शतावर।

शतपुष्पा स्त्री. (तत्.) 1. सौंफ 2. सोआ का साग।

शतपुष्पिका स्त्री. (तत्.) दे. शतपुष्पा।

शतप्रतिशत पुं. (तत्.) सौ में से सौ, संपूर्ण।

शतपथब्राह्मण पुं. (तत्.) महर्षि याज्ञवल्क्य द्वारा रचित यजुर्वेद का एक ब्राह्मण ग्रंथ जिसमें अग्निहोत्र से लेकर अश्वमेध तक कर्मकांड का वर्णन मिलता है।

शतप्रसूना स्त्री. (तत्.) दे. शतपुष्पा।

शतप्रास पुं. (तत्.) करवीर, कनेर का वृक्ष।